दृष्टि दिव्यांगों ने प्रस्तुत किया म्यूजिकल बैंड तो भावुक हुए श्रोता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

» डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि में हुआ आयोजन

अमृत विचार: डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में नवरात्र पर गरबा महोत्सव व भजन संध्या का आयोजन किया गया। उद्घाटन वक्तव्य में कुलपति महोदय ने कहा कि नवरात्र की शक्ति आराधना हमारी सांस्कृतिक विरासत का अमूल्य हिस्सा है। विश्वविद्यालय की छात्रा शिवानी द्वारा एकल नृत्य की प्रस्तुति हुयी।

विश्वविद्यालय में दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा तैयार देश की पहली म्यूजिकल बैण्ड सोलफुल द्वारा भजन प्रस्तुति के साथ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा गरबा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति सम्पन्न की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, वित्त अधिकारी श्रीनिवास त्रिपाठी, निदेशक शोध व विकास प्रो. अश्विनी दुबे, कुलानुशासक प्रो. सीके दीक्षित आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. पी. राजीवनयन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. कौशिकी सिंह द्वारा किया गया।

शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विवि में गरबा व भजन संध्या

लखनऊ। डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के प्रशासनिक भवन के एर्टिम में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर गरवा महोत्सव एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. संजय सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम में सामूहिक स्वर में 'अयि गिरि नन्दिनी मेदिनि, विश्व विनोदिनी नन्दिनुते' की प्रस्तुति हुई। इसके पश्चात विवि की छात्रा शिवानी की एकल नृत्य की प्रस्तुति हुई। इस कार्यक्रम में दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा तैयार देश की पहली म्युजिकल बैण्ड सोलफुल द्वारा भजन प्रस्तुति के साथ विवि के छात्र-छात्राओं द्वारा गरवा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति हुई।

इतिहास; विजन और मिशन से परिचित कराया।

दिव्यांगों के म्यूजिकल बैंड ने भजन गाए

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में शरदीय नवरात्र पर गरबा महोत्सव और भजन संध्या हुई। यहां दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियों के देश की पहली म्यूजिकल बैण्ड सोलफुल ने भजन प्रस्तुति दी। विवि के छात्र-छात्राओं ने गरबा नृत्य प्रस्तुत किए। अध्यक्षता कुलपति आचार्य संजय सिंह ने की। कुलसचिव रोहित सिंह, कुलानुशासक प्रो. सीके दीक्षित समेत कई अन्य रहे।